इंजीनियरिंग के विषय

मनोज वर्मा

1. विषय प्रवेश

ज्योतिष की अनेक शाखाएँ होने के कारण, 'इंजीनियरिंग का विषय क्या हो?' यह जातक के समक्ष एक महत्वपूर्ण प्रश्न होता है, विशेषतया जब वह आजीविका स्रोत के भविष्य की नींव रखने की तैयारी करता है।

इंजीनियरिंग की मुख्य कई शाखाएँ : इलेक्ट्रॉनिक और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, सूचना विज्ञान इंजीनियरिंग, (सूचना प्रौद्योगिकी), मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल और विद्युतीकरण इंजीनियरिंग, एयरोस्पेस इंजीनियरिंग या वैमानिकी इंजीनियरिंग, जैव–प्रोबायोलॉजी इंजीनियरिंग आदि हैं।

इस लेख में विभिन्न ज्योतिषीय योगों की सोदाहरण चर्चा की जा रही है जिससे जातक का जन्मकुंडली के आधार पर इंजीनियरिंग का विषय चयन करने में मार्गदर्शन हो सके।

2. भाव, भावेश और ग्रहों के योग

जातक की कुंडली से किसी विशेष धारा के प्रति रुचियों और झुकाव का पता चलता है। विषय सम्बन्धित महत्वपूर्ण भावों, भावेशों, ग्रहों, योगों आदि की संक्षिप्त सूची निम्न है :

- 4था, 5वां, 9 वां और 10वां भाव।
- कुंडली में ग्रहों की विभिन्न स्थितियां प्रत्येक क्षेत्र को दर्शाती हैं। सूर्य भौतिकी का, मंगल विद्युत या सिविल इंजीनियरिंग और भूमि का स्वामी है। बुध गणित और मैकेनिकल इंजीनियरिंग का ग्रह है। शुक्र कंप्यूटर का ग्रह है। शनि तकनीकी, कलपुर्जों और वाद्य कार्यों का ग्रह है। राहु तकनीकी शिक्षा एवं रसायन के लिए ग्रह है। इन ग्रहों का चतुर्थ और पंचम भाव–भावेश से सम्बन्ध इंजीनियरिंग लाईन के लिए रूचि और योग्यता पैदा करता है।
- वायु तत्व राशि (मिथुन, तुला और कुंभ) राशि तकनीकी शिक्षा/इंजीनियरिंग लाइन का प्रतिनिधित्व करती हैं।
- मंगल के साथ सूर्य एक इंजीनियर बनने में मदद करता है।
- बुध और बृहस्पति शिक्षा के कारक हैं।
- इंजीनियरिंग अध्ययन में रुचि और योग्यता पैदा करने के लिए बुध, शनि और केतु के नक्षत्रों की महत्वपूर्ण भूमिका है।
- मंगल के साथ बुध मैकेनिकल इंजीनियरिंग कराता है।
- शुक्र के साथ बुध रासायनिक इंजीनियरिंग कराता है।
- शुक्र और मंगल के साथ बुध कंप्यूटर इंजीनियरिंग कराता है।
- शनि कों प्रभावित करने वाला बुध सिविल इंजीनियरिंग में रुचि देता है।
- मंगल का शनि या राहु से सम्बन्ध सिविल इंजीनियरिंग कराते हैं।
- यदि लग्न से मंगल और शनि का सम्बन्ध हो तो जातक इंजीनियरिंग करता है।
- मकर/कुम्भ लग्न हो और दशम या सप्तम भाव में मंगल स्थित हो तो जातक इंजीनियरिंग करता है।
- यदि चतुर्थ में शनि हो और उस पर केतु का प्रभाव हो अथवा चतुर्थ भाव में मंगल एवं केतु की युति हो, शनि सप्तम में हो तो जातक सफल इंजीनियर होता है।
- दशम–दशमेश का शनि, मंगल, केतु और गुरु से संबंध हो तो जातक सफल इंजीनियर होता है।
- यदि चंद्र–शनि या चंद्र–मंगल की युति हो तथा चतुर्थ या पंचम भाव पर मंगल, केतु या राहु की स्थिति या दृष्टि हो।
- लग्नस्थ बुध पर मंगल या शनि की दृष्टि हो तथा गुरु द्वितीय भाव में हो अथवा तीनों ग्रहों का किसी भी रूप में संबंध हो तो जातक कम्प्यूटर इंजीनियर होता है। ऐसे जातक को मशीनरी और कलपुर्जों की भी अच्छी जानकारी होती है।
- राहु–केतु, शनि और बुध यदि शुभ स्थिति में हों तो जातक को तीक्ष्ण बुद्धि और अच्छी सोच प्रदान करते हैं। राहु केतु यदि दशम भाव में स्थित हों और बुध या शनि की

राशि हो या शनि–बुध की युति हो या बुध पर शनि की दृष्टि हो, या दशम भाव पर शनि की दृष्टि हो तो जातक कम्प्यूटर इंजीनियरिंग करता है।

- मिथुन लग्न में शुक्र–शनि का योग भी कम्प्यूटर इंजीनियरिंग में सफलता दिलाता है।
- सूर्य–शनि की युति दशम भाव में हो, साथ ही सूर्य धनेश, लाभेश या भाग्येश हो और चतुर्थ एवं पंचम भाव में सूर्य, मंगल एवं केतु की स्थिति या दृष्टि हो तो ऐसा जातक इंजीनियरिंग में सफलता पाता है और धन–सम्मान पाता है।

3. उदाहरण

उदाहरण–1 : पुरुष, 22 दिसंबर 1972, 13:50 बजे, नई दिल्ली।

इलेक्ट्रॉनिक और संचार इंजीनियरिंग

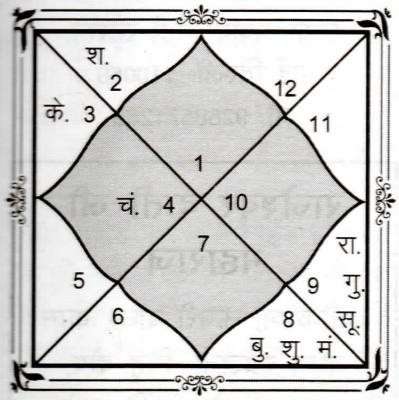

मेष लग्न और कर्क राशि के इस जातक ने इलेक्ट्रॉनिक और संचार इंजीनियरिंग की शिक्षा प्राप्त की है। लग्नेश मंगल अष्टम भाव में स्वराशि का है और शनि से समसप्तम है। लग्नेश की युति बुध के साथ मैकेनिकल और साथ ही शुक्र है तो कम्प्यूटर इंजीनियरिंग कराता है। इस समय जातक कम्प्यूटर डिजिटल प्रिंटिंग की अपनी कंपनी चला रहा है। नवांश कर्क लग्न का है और लग्न में ही शनि मंगल है। चतुर्थ भाव में राहु के साथ शुक्र और बृहस्पति है। ये सब इंजीनियरिंग के ही योग हैं।

उदाहरण–2 : पुरुष, 21 अगस्त 1969, 4:30 बजे, नई–दिल्ली।

एयरपोर्ट सर्विस इंजीनियर

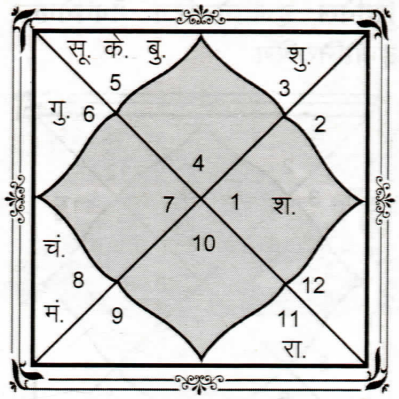

कर्क लग्न व वृश्चिक राशि की कुंडली है तथा मं/चं की पंचम भाव में युति है जो तकनीकी ग्रह है। चतुर्थ भाव पर भी शनि की दृष्टि है वो भी तकनीकी शिक्षा का कारक है पर कुछ बदलाव के साथ व धीरे–धीरे देने वाला ग्रह है। बुध, सूर्य, केतु, राहु का आपस में सम्बन्ध भी बना हुआ है जन्म कुंडली में और नवांश में लग्नेश मंगल का रा/बु/के से सम्बन्ध जो इन्जीनियरिंग करने का अच्छा योग है। दशा का सम्बन्ध भी तकनीकी ग्रहों से बनने से जातक ने इंजीनियरिंग की है। मई 1987 में पिता की मृत्यु होने के कारण दसवीं पास करते ही एयरपोर्ट पर सरकारी नौकरी लगी और एक साल बाद इंजनशॉप में कार्य करने के लिए भेज दिया जब बु/के/बु की दशा थी। तीस साल के लम्बे अंतराल के बाद अब जातक सर्विस इंजीनियर बन गया है।

उदाहरण 3 : पुरुष, 25 जुलाई 1989, 23.45 बजे, नई–दिल्ली।

सिविल इंजीनियरिंग

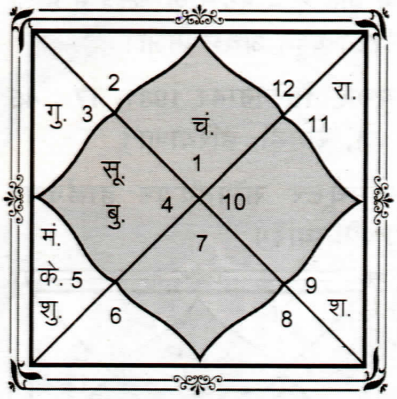

मेष लग्न व मेष राशि की कुंडली है तथा लग्नेश मंगल पंचम में स्थित है। चतुर्थ भाव में सू/बु युति है तथा बुध अपने ही नक्षत्र में है जो गणितीय क्षमता का अच्छा योग है। पंचम भाव पर म/रा/के/शु का प्रभाव है जो नवांश में भी चतुर्थ व पंचम पर बना हुआ है साथ ही शनि का भी चतुर्थ भाव पर प्रभाव है। अतः जातक ने सिविल में ही डिप्लोमा व इंजीनियरिंग की है। पढ़ाई के समय दशा भी पंचम मे स्थित शुक्र की मिली जिसने सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा करने के बाद सिविल इंजीनियरिंग की डिग्री भी दी।

उदाहरण 4 : वृषभ लग्न व मिथुन राशि की कुंडली है। लग्न से चतुर्थ व पंचम में मंगल व शनि स्थित हैं। श/बु/म का सम्बन्ध कम्प्यूटर इंजीनियरिंग देता है। यहां मंगल शुक्र के नक्षत्र में है और नवांश में बु/शु का भी सम्बन्ध है जो चतुर्थेश व पंचमेश भी है। नवांश में भी श/मं का प्रभाव चतुर्थ भाव पर व शनि लग्नेश होकर चतुर्थेश से युति में व पंचमेश लग्न में होने से तकनीकी ग्रहों का पूरा प्रभाव है। दशा भी पंचम में स्थित शनि की मिली जो दूसरे

तकनीकी ग्रह मंगल के नक्षत्र में है व बारहवीं तक गुरू की जो चतुर्थेश व पंचमेश(सू/बु) से प्रतिस्पर्धा भाव में युति में व मंगल के नक्षत्र में है तो शिक्षा बहुत अच्छी मिली।

पुरुष, 15 नवम्बर 1981, 17 : 45 बजे, रेवाडी, हरियाणा।

कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर हार्डवेयर इंजीनियरिंग

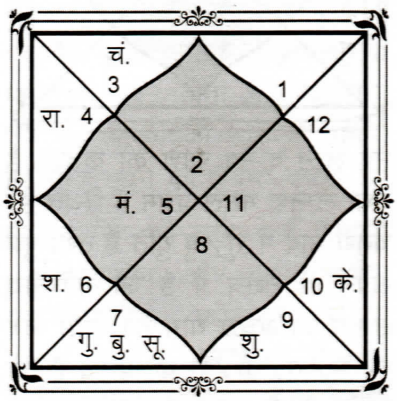

उदाहरण 5 : पुरुष, 10 दिसम्बर 1984, 22.15 बजे, नई–दिल्ली।

मैकेनिकल इंजीनियरिंग

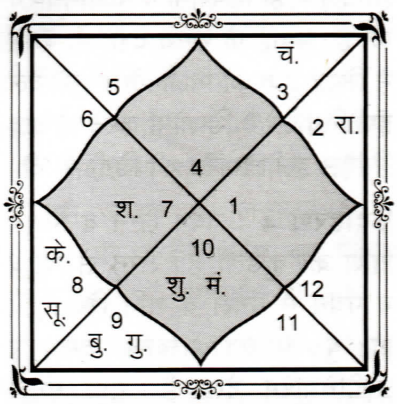

कर्क लग्न के जातक ने दसवीं कक्षा के बाद ही सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज से पॉलिटेक्निक किया और ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग की शिक्षा प्राप्त की। चतुर्थ भाव में उच्च शनि स्थित है व पंचमेश मंगल जो कि सप्तम भाव में स्थित होकर शुक्र युति में व लग्न पर दृष्टि डाल रहे हैं। चतुर्थ, पंचम भाव/भावेश टेक्निकल ग्रह प्रभाव में व लग्न पर भी शनि, मंगल दृष्टि इंजीनियरिंग योग दे रहे हैं। कर्म क्षेत्र दशम भाव पर भी टेक्निकल ग्रह प्रभाव जातक को इस फील्ड में जॉब दिए।

उदाहरण 6 : पुरुष, 16 मार्च 1975, 9:30 बजे, महेन्द्रगढ़, हरियाणा

सिविल इंजीनियरिंग मैकेनिकल इंजीनियरिंग

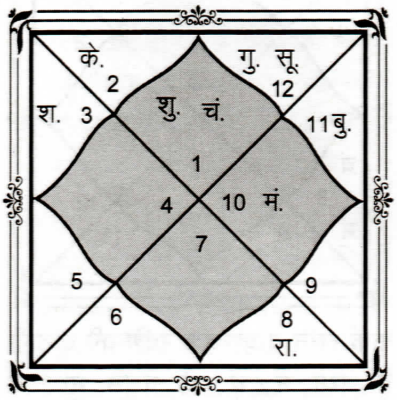

मेष लग्न व लग्नेश मंगल उच्च होकर कर्म भाव बली होकर स्थित है। चतुर्थेश चंद्र व पंचमेश सूर्य दोनों ही टेक्निकल ग्रह प्रभाव में व नवमेश गुरू पर भी शनि की दृष्टि है। चंद्र भी उच्च मंगल नियंत्रक होकर लग्न में स्थित है। 1993 में शुक्र महादशा में जातक ने सिविल इंजीनियरिंग किये, शुक्र लग्नस्थ व मंगल नियंत्रक होकर चंद्र युति लग्न स्थित है। 2010 में चंद्र दशा में मैकेनिकल इंजीनियरिंग की।

उदाहरण 7 : मकर लग्न व लग्नेश वक्री होकर लग्न में स्थित व कंप्यूटर इंजीनियरिंग के कारक ग्रह जो कि यहाँ चतुर्थेश मंगल व पंचमेश शुक्र जो कि दशम भाव स्वामी भी व साथ मे उच्च शिक्षा भाव स्वामी बुध तीनो ही यहाँ अष्टम स्थित हैं। बुध, शुक्र,

पुरुष, 20 जुलाई 1991, 20:05 बजे, नई–दिल्ली।

कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग

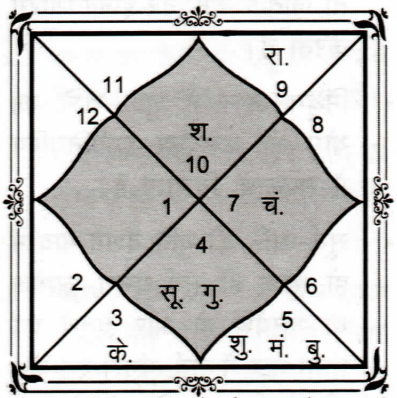

मंगल, जिस घर में हैं उसके स्वामी सूर्य की लग्न पर दृष्टि, राहु की दृष्टि भी अष्टम स्थित बुध, शुक्र, मंगल पर है। शनि वक्री होकर राहु/केतु प्रभाव में तकनीकी शिक्षा योग बता रहे हैं। शनि/बुध दशा में जातक ने यह शिक्षा प्राप्त की। शनि लग्नेश के साथ हैं। तकनीकी ग्रह व बुध उच्च शिक्षा कारक नवमेश ने यह योग दिया।

पता : जी–32, श्याम पार्क नवादा,
नियर नवादा मेट्रो स्टेशन,
नई दिल्ली–110059
मो. 9268571268

राजेश्वर दाती जी महाराज

वशीकरण, ऊपरी बाधा, काम बंधन खोलना, पितृ दोष, कालसर्प दोष शांति, ग्रह बाधा शांति, तांत्रिक अनुष्ठान, जाप, हवन तथा कर्मकांड एवं महामृत्युंजय एवं गायत्री जाप के लिए संपर्क करें।

फोन : 9212120817, ए–32–ए, जवाहर पार्क, देवली रोड, नयी दिल्ली–62